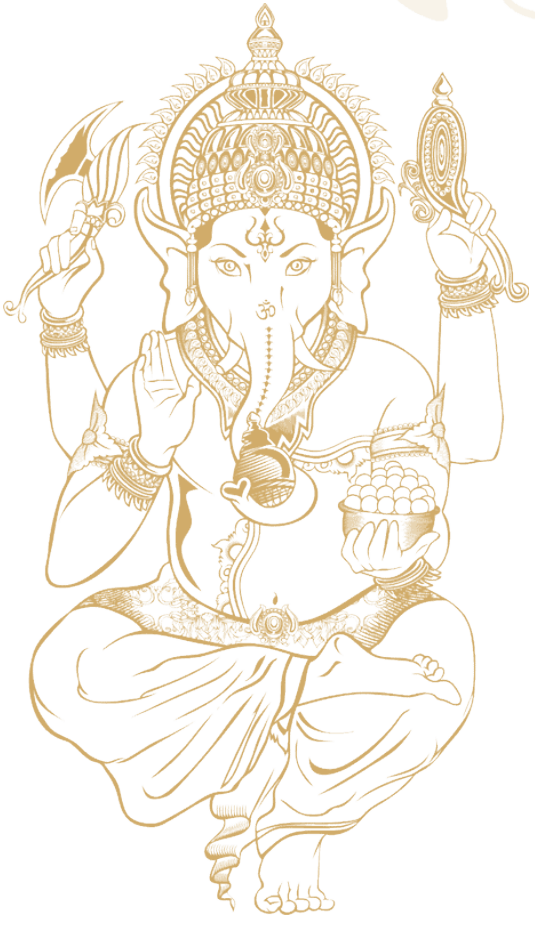

Reena Sharma

19 Apr 1975

02:30 AM

Siliguri

Model: web-freekundliweb

Order No: 121317402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/04/1975**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	53:18:02 घटी
स्थान	**Siliguri**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	26:42:00 उत्तर
रेखांश	88:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:53:44 घंटे
वेलान्तर	00:00:29 घंटे
साम्पातिक काल	16:39:08 घंटे
सूर्योदय	05:10:47 घंटे
सूर्यास्त	18:01:16 घंटे
दिनमान	12:50:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	04:41:18 मेष
लग्न के अंश	08:52:53 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	08:52:53	474:06:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
सूर्य			मेष	04:41:18	00:58:38	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	00:33:17	13:50:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल			कुंभ	11:52:16	00:45:41	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	मेष	04:41:33	02:06:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मीन	13:57:28	00:14:02	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	स्वराशि
शुक्र			वृष	12:18:13	01:10:26	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			मिथु	19:34:07	00:03:44	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	07:49:54	00:00:14	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु			वृष	07:49:54	00:00:14	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		तुला	07:01:50	00:02:34	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
नेप	व		वृश्चि	17:57:02	00:01:04	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो	व		कन्या	13:49:15	00:01:32	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			वृश्चि	17:49:10	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:58

लग्न-चलित

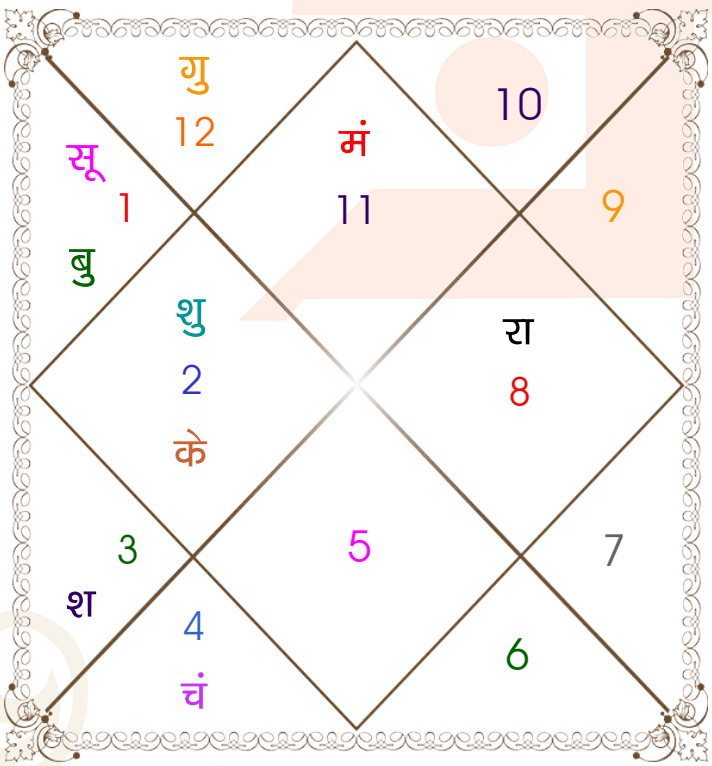

चन्द्र कुंडली

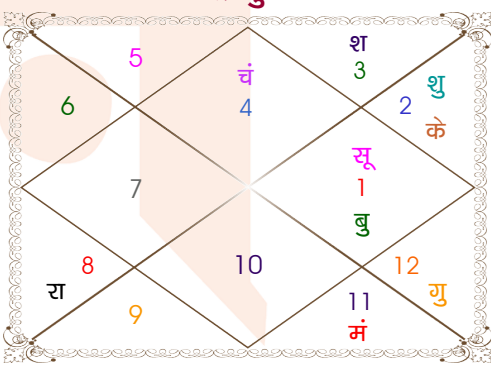

नवमांश कुंडली

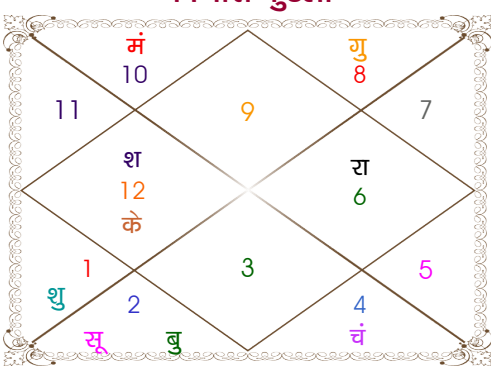

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 4 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/04/1975		19/08/1978		18/08/1997		19/08/2014		18/08/2021	
19/08/1978		18/08/1997		19/08/2014		18/08/2021		18/08/2041	
	00/00/0000	शनि	21/08/1981	बुध	15/01/2000	केतु	15/01/2015	शुक्र	18/12/2024
	00/00/0000	बुध	30/04/1984	केतु	11/01/2001	शुक्र	16/03/2016	सूर्य	18/12/2025
	00/00/0000	केतु	09/06/1985	शुक्र	12/11/2003	सूर्य	22/07/2016	चंद्र	19/08/2027
	00/00/0000	शुक्र	09/08/1988	सूर्य	17/09/2004	चंद्र	20/02/2017	मंगल	18/10/2028
	00/00/0000	सूर्य	22/07/1989	चंद्र	17/02/2006	मंगल	19/07/2017	राहु	19/10/2031
	19/04/1975	चंद्र	20/02/1991	मंगल	14/02/2007	राहु	06/08/2018	गुरु	19/06/2034
	19/04/1975	मंगल	31/03/1992	राहु	02/09/2009	गुरु	13/07/2019	शनि	18/08/2037
मंगल	25/03/1976	राहु	05/02/1995	गुरु	09/12/2011	शनि	21/08/2020	बुध	18/06/2040
राहु	19/08/1978	गुरु	18/08/1997	शनि	19/08/2014	बुध	18/08/2021	केतु	18/08/2041

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/08/2041		19/08/2047		18/08/2057		18/08/2064		19/08/2082	
19/08/2047		18/08/2057		18/08/2064		19/08/2082		00/00/0000	
सूर्य	06/12/2041	चंद्र	18/06/2048	मंगल	14/01/2058	राहु	01/05/2067	गुरु	06/10/2084
चंद्र	06/06/2042	मंगल	17/01/2049	राहु	02/02/2059	गुरु	24/09/2069	शनि	19/04/2087
मंगल	12/10/2042	राहु	19/07/2050	गुरु	09/01/2060	शनि	31/07/2072	बुध	25/07/2089
राहु	06/09/2043	गुरु	18/11/2051	शनि	17/02/2061	बुध	17/02/2075	केतु	01/07/2090
गुरु	24/06/2044	शनि	18/06/2053	बुध	14/02/2062	केतु	07/03/2076	शुक्र	01/03/2093
शनि	06/06/2045	बुध	18/11/2054	केतु	13/07/2062	शुक्र	07/03/2079	सूर्य	18/12/2093
बुध	13/04/2046	केतु	19/06/2055	शुक्र	12/09/2063	सूर्य	30/01/2080	चंद्र	19/04/2095
केतु	19/08/2046	शुक्र	17/02/2057	सूर्य	18/01/2064	चंद्र	31/07/2081		00/00/0000
शुक्र	19/08/2047	सूर्य	18/08/2057	चंद्र	18/08/2064	मंगल	19/08/2082		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगी। आप अकर्मण्य नहीं है। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगी।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगी। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगी। आप श्रेष्टतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगी तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगी।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करती हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाती। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता है तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देती हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर की प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु की हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगी।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव की प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी। आप भगवान की भक्त एवं धार्मिक प्रवृति की प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही महिला है। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी का कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों का पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आप वृद्धावस्था में कुछ रोगो के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकती हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगो का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार की स्वमिनी होंगी। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमान पति की पत्नी एवं प्रिय संतानों की माता होंगी।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा

प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।